ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

16-04-77 की अव्यक्त वाणी से स्वमान

मैं बाप का सिरताज हूँ।

बाप का सिरताज अर्थात् प्रकृति के वा माया के मोहताज नहीं। विश्व के राज्य के ताजधारी। पुराने संस्कार व स्वभाव वश नहीं।

अव्यक्त पालना का रिटर्न

अमृतवेले का महत्व

1 अमृतवेले चारों ओर के तमोगुणी वातावरण या वाइब्रेशन के वायुमण्डल में प्रायः लोप स्थिति का समय होता है अर्थात् तमोगुण का प्रभाव दबा हुआ होता है।

2 ऐसे समय पर सहज ही पुकार और उपकार होता।

3 पुकार सुनना भी सहज है, उपकार करना भी सहज है।

4 वरदान लेना भी सहज है और दान देना भी सहज है क्योंकि वातावरण वृत्ति को बदलने वाला होता है।

5 *ऐसे समय पर, आप सर्व वरदानी आत्माओं की स्वयं की स्थिति भी, बाप की विशेष वरदानों की छत्रछाया के कारण, बाप के समान सम्पन्न और दातापन की होती है।*

6 ब्रह्मलोक के निवासी बाप विशेष रूप से ज्ञान-सूर्य की लाईट और माइट की किरणें विशेष बच्चों को वरदान रूप में देते हैं। इसलिए इस समय को 'ब्रह्म मुहूर्त्त' का समय कहते है।

14.11.79

Om Shanti

निराकार ज्योतिर्बिन्दु
परमपिता शिव परमात्मा

त्रिकालदर्शा स्थिति में
स्थित रहकर
निर्णय करो तो
हर कर्म में
सफलता प्राप्त होगी

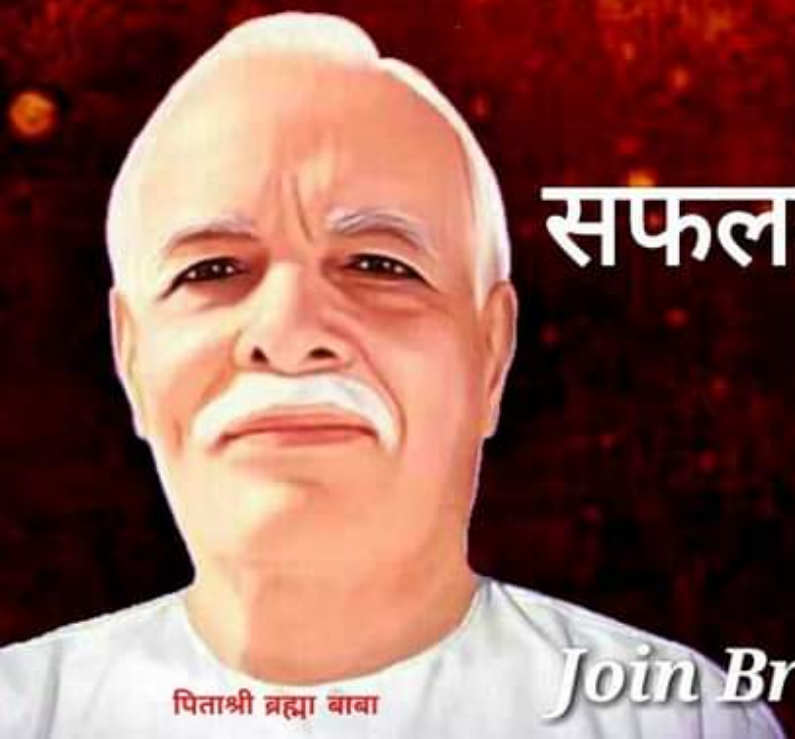

पिताश्री ब्रह्मा बाबा

Join Brahma Kumaris

चार बातों में कभी भी
शर्म और संकोच नहीं महसूस
करनी चाहियें।

Brahma Kumaris
Daily Vichar

Bk Naveen Sethi
Om Shanti

पुराने कपड़े, गरीब मित्र,
बुज़ुर्ग माता-पिता और
सरल जीवन-शैली

"अगर कहीं भी लगाव होगा, मोह होगा तो दुख की लहर आयेगी"

वह हद की लाटरी होती उसमें एक डालते तो लाख की लाटरी लग सकती लेकिन यह तो बेहद की अविनाशी लाटरी है। घर बैठे इतनी श्रेष्ठ प्राप्ति है, घर बैठे भगवान मिल गया ना! तो अपने भाग्य की सदा महिमा करते रहो, सदा मन में अपने भाग्य के गीत गाते हुए खुश रहो, अगर कहीं भी लगाव होगा, मोह होगा तो दुख की लहर आयेगी। कभी दुख होता है? बाप जन्म-जन्मान्तर के लिए रोना बन्द कराते हैं, दुख होगा तो रोयेंगे, दुख ही नहीं तो रोना बन्द। सब सुखदाता के बच्चे मास्टर बन गये तो दुख तो आ नहीं सकता। दुख का दरवाज़ा बन्द, स्वर्ग अर्थात् सुख का दरवाज़ा खुल गया। स्वर्ग की टिकट ले ली है ना - सदा खुशी में नाचते रहो, खुशी होगी तो दूसरे भी आपको देखकर खुश होंगे और बाप के समीप आयेंगे। आपकी खुशी बाप का परिचय देगी।

Avyakt Murli - 03-02-79

संतुष्टमणि आत्माओं की विशेषतायें

बापदादा- 20-03-2012

आज चाहे सम्मुख चाहे दूर के सन्तुष्टमणि बच्चों को देख रहे हैं। हर एक बच्चा अपने सन्तुष्टता की शक्ति से चमकते हुए मुस्कराते मिलन मना रहे हैं। यह सन्तुष्टता की शक्ति सबसे महान है इसलिए इसमें सर्व प्राप्तियां हैं। सन्तुष्टता की शक्ति धारण करने वाली सन्तुष्टमणियां स्वयं को भी प्रिय, बाप को भी प्रिय, परिवार को भी प्रिय हैं क्योंकि सन्तुष्टता जहाँ है वहाँ सर्वशक्तियां सन्तुष्टता में समाई हुई हैं। सन्तुष्टता की शक्ति का वायुमण्डल चारों ओर फैलता है। सन्तुष्टमणि वाली आत्मायें कभी भी माया से हार नहीं खा सकती, माया हार खाती है। सन्तुष्टमणि आत्मायें सर्व की दिल को अपना बना सकती हैं। सन्तुष्टमणि आत्मा चाहे माया, चाहे प्रकृति के भिन्न-भिन्न हलचल को ऐसे अनुभव करती जैसे एक कार्टून को देख रहे हैं।

ओम् शान्ति

उन्हें तो इलेक्शन और सिलेक्शन का फिकर है। लेकिन तुम्हें तो स्वयं भगवान ने सिलेक्ट कर लिए।

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org